उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
सचिवालय परिसर, सूभाष रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 08 मार्च, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–06(03/30)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, शुक्रवार 09 मार्च 2018 को **पूर्वाह्न 11 बजे** स्थानीय पवेलियन ग्राउण्ड में आयोजित देशभर में विद्युत से वंचित 04 करोड़ घरों को विद्युत **संयोजन प्रदान** किये जाने हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सहज बिजली हर घर योजना ''सौभाग्य'' के राज्य स्तरीय उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। राज्य स्तरीय ''सौभाग्य'' योजना का उद्घाटन केन्द्रीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार ऊर्जा, नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा श्री आर.के.सिंह द्वारा किया जायेगा।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 08 मार्च, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–05(03/29)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने गुरूवार को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास स्थित जनता मिलन हाल में महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राज्य में सामाजिक दृष्टि से कमजोर व निराश्रित एकल महिलाओं के लिये पं. दीन दयाल उपाध्याय सामाजिक सुरक्षा कोष एकल महिला ऋण योजना के तहत एक लाख तक का ऋण एक प्रतिशत ब्याज पर दिये जाने की योजना का शुभारम्भ किया। इस योजना का उद्देश्य गांवों में ही रोजगार सृजन कर महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ करते हुये उन्हे सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। राज्य सरकार द्वारा अकेली महिलाओं के लिये यह सौगात दी है। पशुपालन व मत्स्य पालन को भी इसमें सम्मिलित किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर एकल महिलाओं के लिये सखी ई–रिक्शा योजना के तहत 07 महिलाओं को ई–रिक्शा की चाबी व सेफ्टी किट प्रदान की। उन्होंने ई–रिक्शा में बैठकर इसके संचालन की भी शुरूआत की। इसके लिये 50 हजार प्रति ई–रिक्शा अनुदान दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कैलेण्डर तथा विभिन्न प्रचार सामग्री का भी विमोचन किया तथा महिलाओं को सेफ्टि नैपकिन किट भी वितरित किये। उन्होंने कहा कि प्रदेश की आंगनबाडी कार्यकत्रियों को मोबाईल तथा सुपर वाईजर को टेबलेट उपलब्ध कराये जायेंगे ताकि उन्हें अपने कार्यो के सम्पादन में आसानी हो सके।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने महिलाओं से अपना उत्साह एवं आत्म विश्वास हर समय बनाये रखने को कहा। उन्होंने कहा कि धरती को हम मां कहते हैं धरती की भांति महिलाओं में भी धारण करने की क्षमता है । विश्व के 195 देशों में अकेला हमारा ही देश है जहां भारत माता कहा जाता है इस प्रकार मां को सम्मान देने की हमारी पुरातन परम्परा रही है। उन्होंने महिलाओं से स्वावलम्बी बनने की भी अपेक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज महिलायें हर क्षेत्र में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रही है। विश्व के देशों में जहां वर्तमान में 07 प्रतिशत महिला कमर्शियल पायलेट है, वही भारत में यह 12 प्रतिशत है, हमारी रक्षामंत्री, विदेश मंत्री, लोकसभा अध्यक्ष महिला है। प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों में भी महिला अधिकारी बेहतर क्षमता का प्रदर्शन कर रही है। प्रदेश में 03 डीएम, 04एसएसपी, 05 सीएमओ के अलावा अन्य महिला अधिकारी कार्यरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश पुलिस में महिलाओं की भागीदारी 11 प्रतिशत है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रतिशत 07 ही है। महिलाओं में क्षमतायें जन्मजात होती है, महिलाओं में दोहरी जिम्मेदारी होते हुए भी धरती की तरह सबकुछ बर्दाश्त करने की ताकत है। इस ताकत को हमें पहचानना होगा। मजबूत बनाना होगा। उन्होंने कहा कि कुपोषण के विरूद्ध भी हमने अभियान चलाया हुआ है। यदि मां स्वस्थ रहेगी तो बच्चे का लालन पालन स्वस्थ ढ़ंग से हो सकेगा। इस पर 350 करोड़ की धनराशि व्यय की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ भारत की कल्पना तभी साकार होगी जब माताओं के स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान दिया जाय।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश में 293 एएनएम को नियुक्ति पत्र जारी किये गये है। 380 वेकेंसी निकाली गई है। 481 डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। जिसमें 193 महिलायें है उसमें भी 159 उत्तराखण्ड की है। 2100 एएनएम तथा 12 हजार आशा वर्कारों का 02 लाख का बीमा का लाभ दिये जाने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश की आशा कार्यकत्रियों को वर्ष 2012–13 से रूकी हुई वार्षिक प्रोत्साहन धनराशि हेतु 33 करोड़ रूपये जारी कर दिये गये हैं। 108 योजना के तहत 61 एम्बुलेंस वाहन दी गई है। शीघ्र 111 और एम्बुलेंस वाहन उपलब्ध कराये जायेंगे। हर जिले में आईसीयू स्थापित किये जा रहे है। प्रति आईसीयू पर दो करोड़ व्यय होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2011 में 0–06 का आयु लिंगानुपात प्रति 1000 के विपरीत 890 था। आज प्रदेश का लिंगानुपात 934 हो गया है। उन्होंने कहा कि आज की बेटी कल की महिला बनेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का देश से सभी जनपदों में लागू करने के लिये आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन से लाभान्वित होने वाली महिलाओं का लक्ष्य 05 करोड़ से 08 करोड़ किया गया है। अबतक 3.50 करोड़ महिलाओं को देश में धुएं से मुक्ति मिल गई है। तथा मुद्रा येाजना के तहत 7.88 करेाड़ महिलाओं को ऋण दिया गया है। तथा स्टार्टअप योजना में 625 करोड़ का ऋण भी महिलाओं को दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं से अपील भी की कि वे सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिये संचालित विभिन्न कार्यक्रमों व येाजनाओं की जानकारी प्राप्त का उनका अधिक से अधिक उपयोग कर आर्थिक व सामाजिक रूप से मजबूत बने।

इस अवसर पर महिला कल्याण एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती रेखा आर्या, विधायक श्री गणेश जोशी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय भट्ट, प्रमुख सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, एसएसपी श्रीमती निवेदिता कुकरेती व निदेशक श्री के. आलोक शेखर तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 08 मार्च, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–04(03/29)

केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री श्री आर.के. सिंह ने गुरूवार को ट्वीट कर उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रारम्भ किये गये एल.ई.डी. लाईट ट्रेनिंग कार्यक्रम की प्रशंसा की है। अपने ट्वीट में श्री सिंह ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रारम्भ किये गये इस कार्यक्रम से न सिर्फ महिला स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक संबल मिलेगा बल्कि ऊर्जा बचत के उपायों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि बुधवार को मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुधवार को थानों के बाला सुंदरी मन्दिर परिसर में एल.ई.डी. ग्राम लाईट प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि उत्पादों के तैयार होने के साथ ही मार्केटिंग की व्यवस्था की जायेगी। एलईडी के लिए द्वितीय प्रशिक्षण शीघ्र ही कुमाऊं में कोटाबाग में प्रारम्भ किया जायेगा। यह कार्यक्रम सरकार द्वारा सभी न्याय पंचायतों को ग्रॉथ सेंटर के रूप में विकसित करने की दिशा में उठाया गया एक कदम है।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूवात की जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर तक महिला स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना जरूरी है। इससे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'बेटी बढ़ाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान को सफल बनाने में मदद मिलेगी। यदि महिलाएं स्वावलम्बी हो गई तो स्वयं सशक्त हो जायेंगी।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने महिला स्वयं सहायता समूहों से अपेक्षा की है कि इस एल.ई.डी. ग्राम लाईट प्रशिक्षण के उपरान्त एलईडी से सम्बन्धित कार्यों में दक्षता प्राप्त कर अच्छा कार्य करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में ग्राम पंचायत स्तर पर भी महिला स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने हेतु एलईडी ग्राम लाईट प्रशिक्षण दिया जायेगा। इससे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा और 'चाइनीज' उत्पादों की खरीद पर भी रोक लगेगी।

एल.ई.डी. ग्राम लाईट प्रशिक्षण के प्रारम्भिक चरण में महिला स्वयं सहायता समूहों एलईडी झूमर, एलईडी झालर, एलईडी बल्ब, एलईडी ट्यूबलाईट एवं सोलर एमरजेन्सी लाईट बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 05 दिनों तक दिया जायेगा।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

हल्द्वानी / देहरादून 08 मार्च, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–03(03 / 28)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिह रावत ने गुरूवार को हल्द्वानी में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश सरकार की ओर से दुग्ध व्यवसाय के अलावा विभिन्न क्षेत्रो में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

महिलाओ को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला शक्ति राष्ट्र शक्ति है। अनादिकाल से महिलाओं की शक्ति के रूप में पूजा व अर्चना की जाती रही है। महिला समाज की मार्ग दर्शक के साथ ही प्रेरणा का स्त्रोत भी है। उन्होने कहा कि 8 मार्च दुनिया का इतिहास मे बेहद खास दिन है। यह दिन दुनिया की आधी आबादी के नाम समर्पित है। यह दिन समाज के उस बडे हिस्से के लिए महत्वपूर्ण है जिसके बिना संसार की कल्पना अधूरी रह जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे समाज में महिला जन्म से लेकर मृत्यु तक जीवन के हर पहलू का आधार है, और अगर हम अपने आधार को मजबूत नही कर पाते तो हम कभी पूर्ण नही हो सकते। उन्होंने कहा कि महिला उत्थान के लिए हमें भी कुछ रूढियों असमानताओ और अन्ध विश्वासो का विनाश करना होगा। हमें महिलाओ के बेहतर भविष्य के लिए उनका वर्तमान संवारना होगा, इसलिए बेटियो की सुरक्षा, शिक्षा, समृद्वि और सशक्तिकरण के लिए हमें अभी से कदम उठाने होगे। श्री रावत ने कहा कि हमारा प्रदेश तीलूरौतेली, रामी बौराणी, गौरादेवी का प्रदेश है। इसलिए यहां महिलाओ को क्या सम्मान मिलना चाहिए यह हम सब अच्छी तरह समझते है। उन्होने कहा कि जब हम महिलाओ को सक्रिय प्रतिनिधित्व देने की बात करते है तो मुझे इस बात की खुशी है कि हमारी विधानसभा में वर्तमान मे 5 महिला विधायक है। नेता प्रतिपक्ष भी महिला है, साथ ही हमारी सरकार में एक महिला मंत्री भी है। महिला सशक्तिकरण के इस उत्तम उदाहरण के साथ हम प्रेरणा लेकर आगे बढ सकते है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रो मे महिलाओ का जीवन काफी कठिन एवं संघर्षशील है। नवजात बच्चियो के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुये वैष्णवी हैल्थ किट मुहैया करायी जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र मे बालिकायें पीछे ना रहे इसके लिए सरकार द्वारा बालिका शिक्षा में अभिनव प्रयोग किये जा रहे है तथा मेघावी बालिकाओ को सरकार की ओर से निशुल्क लैपटाप भी बांटे जा रहे है। किशोरियो के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि उन्हे मेन्स्ट्रेरशन तथा स्वच्छता के बारे मे जागरूकता हो इसलिए सस्ती दरो पर सनैटरी नैपकीन उपलब्ध कराने के लिए स्पर्श सैनेटरी नैपकीन योजना शुरू की गई है जिसके तहत प्रत्येक जनपद में महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा सैनेटरी नैपकिन का उत्पादन किया जायेगा।

अपने सम्बोधन मे मुख्यमंत्री ने बताया कि हमने महिलाओ को स्वरोजगार से जोडने के लिए मन्दिरो के प्रसाद को आमदनी का जरिया बनाने की पहल की है। बद्रीनाथ की तीन महिला स्वयं सहायता समूह ने मडूवा व अन्य स्थानीय अनाजो से प्रशाद निर्मित किया और उसे स्थानीय रेशो की टोकरी मे पैकिंग करके 19 लाख के प्रसाद की बिक्री कर 9 लाख का मुनाफा कमाया। उन्होने कहा कि ग्रामीण लाइट के तहत एलईडी वल्व बनाने का कार्य शुभारम्भ कर दिया गया है। कुमायू के कोटाबाग में ग्रामीण लाईट योजना के तहत एलईडी लाईट बनाने का कार्य शीध्र प्रारम्भ किया जायेगा। 670 न्याय पंचायतो को उत्पादन केन्द्र के रूप मे विकसित कर रहे है इस वर्ष 15 उत्पादन केन्द्र शुरू किये जायेगे। जहां महिलाओ को कपडा बनाने सिलाई, छपाई बनाने आदि की ट्रेनिंग दी जायेगी। निश्चित रूप से यह प्रयास महिलाओ के आर्थिक सशक्तिकरण मे मददगार साबित होगे। उन्होने कहा कि सडको के रखरखाव में महिला स्वयं सहायता समूह की मदद ली जा रही है। हल्द्वानी देहरादून में महिला बैक स्थापित किये गये है, जहां सभी महिला कर्मचारी कार्यरत है। प्रत्येक जिले में एक–एक महिला बैक स्थापित किया जायेगा।

उच्चशिक्षा सहकारिता एवं दुग्ध विकास मंत्री डा0 धनसिह रावत ने कहा कि महिलाओ के सशक्तिकरण के लिए प्रदेश सरकार सजग है। सहकारिता, दुग्ध विकास तथा उच्चशिक्षा के क्षेत्रों मे सरकार द्वारा महिलाओ के आर्थिक सामाजिक विकास के लिए अनेको योजनाये संचालित की जा रही है। उन्होने कहा सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादको को दुग्ध उत्पादन मे वृद्वि के लिए 4 रूपये प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि दी जा रही है, जिस हेतु 13 करोड की धनराशि जारी कर दी है साथ ही दुग्ध सचिवो को 50 पैसे प्रोत्साहन राशि का निर्णय लिया गया है। उन्होने कहा प्रदेश के 140 एनडीए व सीडीएस परीक्षा उत्तीर्ण करने बच्चो को मुख्यमंत्री द्वारा 50–50 हजार रूपये पुरस्कार स्वरूप दी जायेगी साथ ही गरीब 50 बच्चो को एनडीए, सीडीएस की तैयारी व उच्चशिक्षा हेतु कोचिंग दी जायेगी।

समाज कल्याण मंत्री श्री यशपाल आर्य ने अपने सम्बोधन में महिलाओं के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओ की जानकारी देते हुये सभी महिलाओ को महिला दिवस की शुभकामनायें दी।

समारोह में दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत चांदनी चौक दुग्ध समिति की पुष्पा विष्ट व मुन्नी विष्ट को 4. 81 लाख का चैक मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही किक्रेट खिलाडी कंचन परिहार, बैटमिंटन खिलाडी निर्मला, घोड़ा चालक धनुली देवी, जैविक खेती करने वाली सावित्री गजरौला तथा सामाजिक सदभावन के क्षेत्र मे कार्य करने वाली उमा जोशी को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विधायक बंशीधर भगत, रामसिह कैडा, मेयर डा0 जोगेन्द्र पाल सिह रौतेला, पूर्व सांसद बच्ची सिह रावत,अध्यक्ष दुग्ध संघ भरत सिह नेगी,जयवीर सिह नेगी, अध्यक्ष नैनीताल जिला सहकारी बैक राजेन्द्र सिह नेगी, अध्यक्ष राज्य सहकारी बैक दान सिह रावत मौजूद थे।

हल्द्वानी/देहरादून 08 मार्च, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–02(03/27)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिह रावत ने गुरूवार को हल्द्वानी में 4 करोड 55 लाख की लागत से नवनिर्मित राज्य सहकारी बैंक भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने राज्य सहकारी बैक की ओर से संचालित मुख्यमंत्री ई–रिक्शा जनकल्याण योजना का भी शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा 24 पात्र लाभार्थियों को जिनमें से 5 महिलायें शामिल है को ई–रिक्शा प्रदान किये। आयोजित कार्यक्रम में पात्र लोगों को ई–रिक्शा की चाबियां सौपी गई।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि सहकारी बैंक की ओर से ई–रिक्शा देकर गरीबों विशेषकर महिलाओं को स्वरोजगार से जोडने का प्रशंसनीय प्रयास किया गया है। इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण की दिशा मे यह महत्वपूर्ण कदम होगा।

सहकारिता मंत्री डा0 धनसिह रावत ने कहा कि सहकारी बैक की यह महत्वपूर्ण योजना महिलाओ के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। निश्चय ही ई–रिक्शा हासिल कर गरीब महिलाये अपने परिवार के भरण पोषण में योगदन कर सकेंगी।

कार्यक्रम मे समाज कल्याण मंत्री श्री यशपाल आर्य, विधायक बंशीधर भगत, राज्य सहकारी बैक के प्रबन्ध निदेशक दीपक कुमार, अध्यक्ष भाजपा अजय भट्ट, मेयर डा0 जोगेन्द्र पाल सिह रौतेला, जिलाधिकारी दीपेन्द्र कुमार चौधरी एवं अपर जिलाधिकारी हरवीर सिह मौजूद थे।

नोट :–मीडिया सेन्टर, हल्द्वानी से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के आधार पर।

देहरादून 08 मार्च, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–01(03/26)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने गुरूवार को मुख्यमंत्री आवास में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री ने बारह हजार आशा कार्यकत्रियों तथा लगभग 2100 एएनएम के लिए दुर्घटना बीमा योजना की घोषणा की

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश की 12 हजार आशा कार्यकत्रियों एवं लगभग 2100 एएनएम को दुर्घटना एवं अपंगता की स्थिति में 02 लाख रूपये तक की बीमा योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जच्चा–बच्चा की प्रारम्भिक देखभाल की जिम्मेदारी आशा कार्यकत्रियों एवं एएनएम की होती है। जन स्वास्थ्य में इनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सभी एएनएम को कम्प्यूटर टैबलेट देने की भी घोषणा की।

प्रदेश की आशा कार्यकत्रियों के लिए 33 करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि जारी–सीएम

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि प्रदेश की आशा कार्यकत्रियों को वर्ष 2012–13 से रूकी हुई वार्षिक प्रोत्साहन धनराशि हेतु 33 करोड़ रूपये जारी कर दिये गये हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2012 से आशा कार्यकत्रियों को 5 हजार रूपये प्रतिवर्ष प्रोत्साहन राशि देने की योजना शुरू की गयी थी, जिसका कभी भी नियमित रूप से भुगतान नहीं हो पाया। आशा कार्यकत्रियों द्वारा इसकी लगातार माँग की जा रही थी। 'आपकी राय, आपका बजट' कार्यक्रम के दौरान भी इस लम्बित राशि को जारी किए जाने का सुझाव प्राप्त हुआ था। आशा कार्यकत्रियों की मांग का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने योजना की शुरूआत से अब तक की लम्बित पूर्ण 33 करोड़ की धनराशि जारी कर दी है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन जारी हुई इस राशि से प्रदेश की 12000 आशा कार्यकत्रियों में से प्रत्येक को न्यूनतम 25 हजार रूपये प्राप्त होंगे।

481 डॉक्टरों एवं 293 महिला स्वास्थ्य कार्यकत्री की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण

अध्यक्ष, चिकित्सा चयन बोर्ड श्री डी.एस. रावत ने बताया कि वर्तमान में चालू भर्ती प्रक्रिया में 481 चिकित्सकों का चयन और हुआ है। जिसमें से 193 महिला चिकित्सक तथा 86 विशेषज्ञ डॉक्टर सम्मिलित हैं। महानिदेशक चिकित्सा ने बताया कि चिकित्सा विभाग में 440 महिला स्वास्थ्य कार्यकत्री के रिक्त पदों के सापेक्ष 293 पदों पर चयन कर लिया गया है तथा 380 पदों पर चयन हेतु विज्ञप्ति जारी कर दी गयी है।

स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता–सीएम

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाना राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बनने के बाद पहले वर्ष एक हजार डॉक्टरों की नियुक्ति का लक्ष्य रखा गया था, जिसके मुकाबले 1140 डॉक्टरों की नियुक्ति की जा चुकी है। सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए सरकार ने टेली मेडिसिन, टेली रेडियोलॉजी एवं डिजिटल पैथोलॉजी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रदेश के 12 अस्पताल टेली रेडियोलॉजी एवं 24 अस्पताल टेली मेडिसिन से जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि देश में 147 सेटरों में ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा है, जिसमें से 47 सेंटर उत्तराखण्ड के हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष राज्य के सभी जिला अस्पतालों में आईसीयू की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। पिथौरागढ़, पौड़ी एवं टिहरी के जिला अस्पतालों में आईसीयू के लिए कार्य प्रारम्भ हो चुका है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश में बाल लिंगानुपात को संतुलित करने का सबको संकल्प लेना होगा–सीएम

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम है 'प्रेस फॉर प्रोग्रेस'। प्रदेश में बाल लिंगानुपात में बेटियों की संख्या में 2011 की जनगणना के बाद वृद्धि तो हुई है, लेकिन इसको संतुलित करने के लिए व्यापक स्तर पर जन जागरूकता जरूरी है। 2011 में उत्तराखण्ड में बाल लिंगानुपात 890 था जो वर्तमान में 934 तक पहुंच गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2020 तक बाल लिंगानुपात को 950 से अधिक पहुंचाना होगा।

महिला सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार अग्रसर–सीएम

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि अगर महिला मजबूत होगी तो समाज को मजबूती मिलेगी। यदि समाज के दो पहिये समान रूप से विकास में अपना योगदान देंगे तो प्रदेश एवं समाज का विकास तेजी से होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण हेतु कृत संकल्पित है। महिला स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण दिये जा रहे हैं।

समाज को जोड़ने एवं समाज के संरक्षण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका– मुख्य सचिव

मुख्य सचिव श्री उत्पल कुमार सिंह ने कहा कि समाज को जोड़ने एवं समाज के संरक्षण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह अवसर केवल महिलाओं का नहीं बल्कि समाज का उत्सव है। 21वीं शताब्दी महिलाओं की शताब्दी होने जा रही है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उत्तराखण्ड की महिलाएं सभी क्षेत्रों में बढ़–चढ़ कर प्रतिभाग कर रही हैं एवं अच्छा कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए प्रदेश में मातृ मृत्यु दर को कम करना एवं बाल लिंगानुपात बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य तंत्र को और सुदृढ़ किया जायेगा।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री ओम प्रकाश, सचिव श्री नितेश झा, अपर सचिव स्वास्थ्य श्री युगल किशोर पंत, स्वास्थ्य महानिदेशक श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग